ISO 9001:2015 CERTIFIED

जिस व्यक्ति के पास धैर्य है वह जो चाहे वो पा सकता है"

साप्ताहिक

नीमच हेडलाइन्स

डाक पंजीयन क्रमांक मंदसौर 407/2025-27

पंजीयन क्रमांक- MPHIN/2018/76962

अंचल का तेज़ी से बढ़ता न्यूज़ नेटवर्क...

NEEMUCH HEADLINES

खबर वही, जो हम दिखाते है...

संस्थापक- स्व.इंद्रदेव जी जाजपुरा

प्रधान सम्पादक - अविनाश जाजपुरा

साप्ताहिक समाचार पत्र,एप्प, वेब पोर्टल और न्यूज़ चैनल

वर्ष - 08 | अंक- 16 | नीमच, बुधवार 8 से 14 अक्टूबर 2025 तक | कुल पृष्ठ - 08 | मूल्य - 5 रू

महू-नीमच हाईवे पर दर्दनाक सड़क हादसा बाइक सवार मजदूर को मारी टक्कर

नीमच। महू-नीमच हाईवे पर मंगलवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। मंदसौर की ओर जा रही एक बस ने बाइक सवार मजदूर को टक्कर मार दी। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल पुलिस और 108 एंबुलेंस को सूचना दी, जिसके बाद घायल को जिला अस्पताल नीमच पहुंचाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना दोपहर करीब 2 बजे बुलेट शोरूम के पास हुई। बस (क्रमांक एमपी 14 जेडबी 7277) ने सामने से जा रहे बाइक सवार को जोरदार टक्कर मारी। टक्कर लगने से युवक सड़क पर दूर जा गिरा और उसके सिर सहित शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद बस चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। घायल युवक की पहचान राकेश पिता गौतम (35) निवासी गांव चाकड़, तहसील सैलाना, जिला रतलाम के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि राकेश नीमच में सोयाबीन काटने के मजदूरी कार्य के लिए पिपलिया बाघ आया था और हादसे के समय कुछ सामान लेने जा रहा था। पुलिस ने बस को जब्त कर थाने में खड़ा किया है। वहीं, स्थानीय लोगों ने हादसे वाली जगह के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर बस चालक की पहचान कर कार्रवाई करने की मांग की है।

जेतपुरा हाईवे पर भीषण सड़क दुर्घटना में युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत

नीमच। जेतपुरा हाईवे पर चौधरी वेयरहाउस के सामने स्थित धानुका फैक्ट्री के पास सोमवार को एक भीषण सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें एक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान शैलेन पिता सुनील पाटीदार निवासी हर्कियाखाल (गणेश नगर), जिला नीमच (मध्य प्रदेश) के रूप में हुई है। युवक के पास मिले आधार कार्ड से उसकी शिनाख्त की गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया। हादसे के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ एकत्रित हो गई। फिलहाल दुर्घटना के कारणों की जांच पुलिस द्वारा की जा रही है।

नीमच पुलिस की बड़ी सफलता

90 किलो डोडाचूरा ज़ब्त मामले में दो और मुख्य तस्कर नामज़द, राजस्थान तक फैली कड़ी!

नीमच : मध्य प्रदेश शासन द्वारा चलाए जा रहे अवैध मादक पदार्थ तस्करों की धरपकड़ अभियान के तहत वरिष्ठ अधिकारियों, जिनमें माननीय पुलिस महानिदेशक महोदय भोपाल, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक महोदय उज्जैन झोन, पुलिस उप महानिरीक्षक रतलाम रेंज, पुलिस अधीक्षक जिला नीमच, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीमच और SDOP जावद शामिल हैं, के निर्देशन में पुलिस थाना रतनगढ़ द्वारा महत्वपूर्ण कार्रवाई की गई है। दिनांक 03.10.2025 को पुलिस ने आरोपी बनवारी विश्नोई के कब्जे से एक बोलेरो पिकअप में गुप्त रूप से तस्करी किया जा रहा 90 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा जब्त किया था।

अनुसंधान और नए आरोपी:

प्रकरण के अनुसंधान के दौरान, मादक पदार्थ की तस्करी में शामिल अन्य दो अभियुक्तों की पहचान की गई है और उनके विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

नए आरोपी:

भुवानी राम उर्फ भोना उर्फ भोनीराम पिता गंगाराम चंदेल, जाति बंजारा, निवासी ग्राम बड़ी दतौली, तहसील मनासा, जिला नीमच (फरार), बालकिशन पिता बीरबल बिश्नोई, निवासी मदुरानियों की ढाणी चटाल नगर, ग्राम पंचायत चंदन नगर/चिकनी नाडी, थाना लोहावट, जिला फलोदी, राजस्थान (फरार)

आगे की कार्रवाई:

प्रकरण में फरार दोनों आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने की कार्रवाई की जाएगी। मादक पदार्थों के विरुद्ध यह अभियान लगातार जारी रहेगा। नीमच पुलिस इस अभियान के माध्यम से मादक पदार्थ तस्करी पर लगातार प्रहार कर रही है।

राजनीतिक दबाव का खेल-दिव्यांग की जमीन पर अवैध कब्जा कर काट दी कॉलोनी, दिव्यांग न्याय के लिए दर-दर भटक रहा

जावद विधानसभा में फर्जी तरीके से कालोनियां काटने का मामला सबसे ज्यादा, राजनीतिक दबाव में प्रशासन भी नतमस्तक

जावद। तहसील मुख्यालय पर अवैध कॉलोनी काटने का मामला सामने आया। जहां मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के दिए गए सख्त निर्देश के बाद भी अवैध कॉलोनियो का मामला थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। वही जमीन मालिक का कहना है कि मेरे साथ धोखाधड़ी कर अवैध कॉलोनी काटी गई। जिस की लिखित शिकायत प्रशासन को की हैं। परंतु इतना सब होने के बाद भी अभी तक पीड़ित को न्याय नहीं मिल पाया।

क्या है पूरा मामला :

शिकायत कर्ता कैलाश साहू एक दिव्यांग व्यक्ति है जिसके द्वारा यह गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि जावद मुख्यालय के सामने उस की कृषि भूमि रकबा 0.608 हेक्टेयर है। जिस पर बिना अनुमति के अवैध कॉलोनी विकसित की जा रही है। पीड़ित ने यह भी बताया कि अभिषेक नामक व्यक्ति ने धोखे से उसकी भूमि का विक्रय किया और फिर उसी पर धोखे से प्लाट काट कर अवैध रूप से सीसी रोड बनाकर प्लाटों की नंबरिंग कर दी गई। जिसका नाम रिद्धि सिद्धि विहार कॉलोनी रखा गया। जिस में कुल 24 प्लाट लोगों के नाम रजिस्ट्री भी करवा दी गई है। वही भूमि मालिक के द्वारा भूमि व्यापवर्तन नहीं कराया गया है। क्रेता ने स्वयं ही भूमि व्यपवर्तन कराया है। वही दिव्यांग कैलाश शाहू (तेली) निवासी जावद से विक्रय पत्र कराकर जमीन को धोखे से ले ली गई। जब रजिस्ट्री की बात आई तो बोला की टुकड़ों में पैसे देने की बात कही गई। जिस पर प्लॉटिंग कर लोगो से पैसे भी ले लिए गए। पर भूमि मालिक कैलाश शाहू को उसकी जमीन का मूल पैसा भी नहीं दिया गया। ओर दिव्यांग को धमकाया गया कि कोई मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकता। जब दिव्यांग कैलाश शाहू ने लिखित में राजस्व विभाग, को शिकायत की तो उसे डरा धमका के शिकायत वापस लेने का दबाव भी डाल रहा है। ऐसे में शिकायतकर्ता ने राजस्व विभाग, प्रशासन से पूरे मामले की जांच की मांग की है।

आपको बता दे कि जावद मुख्यालय से 4 किलोमीटर दूर ग्राम बावल में अवैध कॉलोनी काटने का मामला उच्च न्यायालय में चल रहा है जिस पर धारा 61 डी के तहत कारवाही करने के आदेश दिए गए। लोगो की जमीन हड़पना इन लोगो का मुख्य पेशा बन चुका है। जिससे इनके सत्ता धारी संरक्षण दाताओं की छवि भी धूमिल करने में लगे हैं।

इनका कहना है:-

मेरे पास अवैध रूप से कॉलोनी काटने की शिकायत प्राप्त हुई थी ऐसे मामले में शिकायत को गंभीरता से लेते हुए क्रेता और विक्रेता दोनों को नोटिस जारी किए गए हैं पटवारी से भी उनका मत मांगा गया है। उनकी रिपोर्ट आना बाकी है। वही ग्राम बावल के मामले में मेरे से पहले दो अधिकारी रह चुके है। उनमें अभिमत अलग अलग थे 6 सप्ताह में मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ धारा 61 के अंतर्गत कार्यवाही के आदेश न्यायालय से प्राप्त हुए है। एफआईआर आदेश मामले में भी तहसीलदार की रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है। कुछ लोग छूट गए थे उनसे जवाब माँगा गया है। दोनों ही मामलों में जल्द निष्पक्ष कार्यवाही की जाएगी। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जायेगा।

प्रीति संघवी, एसडीएम जावद।

पूर्व में भी हो चुकी FIR पर अबतक कोई कार्रवाई नही

आपको यह भी बता दे की पूर्व में अवैध कालोनी काटने के मामले में एफआरआई के आदेश हुए थे। जिसमें राजनीतिक संरक्षण के चलते आज दिन तक उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। ऐसे में जमीनों पर अवैध कब्जा कर फर्जी तरीके से कॉलोनी काटने वाले सीना तान कर शहर में घूम रहे हैं और प्रशासन उनके सामने नतमस्तक होकर केवल देख रहा है। पीड़िता को मजबूरन न्याय के लिए उच्च न्यायालय में जाना पड़ा। जिस में धारा 61 डी के तहत न्यायालय का दरवाजा खटखटाया ओर कार्रवाई के आदेश हुए जिस पर भी अभी तक कोई कारवाही नहीं हुई।

चौपदार पेंट्स चोरी का खुलासा तीन सदस्यीय गैंग गिरफ्तार

महाराष्ट्र और उत्तरप्रदेश से गैंग के तीन सदस्य गिरफ्तार, चोरी की नकदी और कार जप्त – पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल के निर्देशन में बड़ी सफलता

नीमच | नीमच पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नवलसिंह सिसौदिया, नगर पुलिस अधीक्षक सुश्री किरण चौहान के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी निरीक्षक पुष्पा सिंह चौहान तथा सायबर सेल प्रभारी प्रआर प्रदीप शिन्दें के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने नीमच केंट थाना क्षेत्र में हुई चोरी की वारदात का सफल खुलासा करते हुए तीन अंतर्राज्यीय चोरों को महाराष्ट्र और उत्तरप्रदेश से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से चोरी गई नगदी 10,000/- और घटना में प्रयुक्त ब्रॉन्ज कलर की रेनॉल्ट क्विड कार (क्रमांक RJ-14-VC-3746) जप्त की है, जिसकी कीमत करीब 2.50 लाख बताई जा रही है। दिनांक 25 सितम्बर 2025 को फरियादी नदीम खान निवासी महावीर नगर, नीमच ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी "चौपदार पेंट्स एंड हार्डवेयर" दुकान का शटर तोड़कर अज्ञात चोर 25,000 नगदी चोरी कर ले गए। मामले में अपराध क्रमांक 490/2025 धारा 305(ए) बीएनएस 2023 पंजीबद्ध कर जांच प्रारंभ की गई।

जांच और तकनीकी साक्ष्य

विशेष पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज एवं टोल प्लाजा कैमरों का बारीकी से विश्लेषण किया। जांच में पाया गया कि आरोपी एक ब्रॉन्ज कलर की क्विड कार से आए थे, जो दीपक सोनी निवासी भवानी मंडी (राजस्थान) के नाम से पंजीकृत थी।

तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने

दीपक सोनी को कानपुर (उत्तरप्रदेश) से, फिरोज आलम और अशरफ अंसारी को मुंबई (महाराष्ट्र) से गिरफ्तार किया।

सराहनीय योगदान

निरीक्षक पुष्पा सिंह चौहान, निरीक्षक विकास पटेल, प्रआर प्रदीप शिन्दें, प्रआर आदित्य गौड़, प्रआर देवीलाल डीगा, आरक्षक लखन प्रताप सिंह, कुलदीप सिंह, सोनेन्द्र सिंह, मधुसुदन, प्रहलाद गुर्जर, राहुल सौलंकी, एवं आशुतोष मिश्रा की भूमिका उल्लेखनीय रही। अन्य सहयोगी टीमः उनि असलम खान, सउनि अखिलेश घोघड़े, सउनि पी.डी. डोडियार, प्रआर प्रदीप चौधरी, प्रआर मुकेश चौहान, आरक्षक सुनिल शर्मा एवं विरेंद्र सिंह।

पुलिस की बड़ी उपलब्धि

नीमच पुलिस एवं सायबर सेल की संयुक्त कार्रवाई ने न केवल चोरी के इस प्रकरण का खुलासा किया, बल्कि अंतर्राज्यीय गैंग की गतिविधियों पर भी बड़ा प्रहार किया है।

विहिप मातृशक्तियो ने निकाली सिंदूर शौर्य यात्रा

नीमच। जिले में विश्व हिंदू परिषद मातृ-शक्तियों ने धनेरिया रोड श्री यादेश्वर मंदिर से सिंदूर शौर्ययात्रा निकाली। कार्यक्रम मातृशक्ति जिला सहसंयोजिका श्रीमती उर्वशी रावत शाह के नेतृत्व में धनेरिया रोड श्री यादेश्वर महादेव मंदिर से द्वारकापुरी वैष्णो देवी मंदिर तक सिंधु शौर्य यात्रा निकली। कार्यक्रम में मातृशक्ति जिला संयोजिका श्रीमती सुनीता चौधरी का मातृशक्ति विस्तार और दृढ़ीकरण के लिए उद्बोधन प्राप्त हुआ। विभाग मंत्री अनूपाल सिंह झाला, जिला मंत्री कैलाश मालवीय, जिला अध्यक्ष शैलेंद्र गर्ग के सहयोग से मातृशक्ति सिंदूर शौर्य यात्रा कार्यक्रम सफल रहा। कार्यक्रम में प्रखंड सेवा सह प्रमुख श्रीमती त्रिवेणी चौधरी, प्रखंड सत्संग प्रमुख श्रीमती सुमन शर्मा, प्रखंड सेवा प्रमुख श्रीमती यशोदा सांवलिया, सक्रिय कार्यकर्ता श्रीमती संतोष सांवलिया, श्रीमती ललिता निर्माण, श्रीमती गोपी गुजरिया, श्रीमती पुष्पा गहलोत, श्रीमती ज्योति शर्मा, अनीता राठौर, गंगाबाई, भावना, शीतल व अन्य मातृ शक्तिया उपस्थित रही।

गांधीसागर डेम में रेत का अवैध उत्खनन करते 03 फाईटर 02 छोटी नावे का विनिष्टीकरण किया गया

मनासा। नगर क्षेत्र के गांधीसागर डेम के डूब क्षेत्र में रेत के अवैध उत्खनन की लगातार शिकायते प्राप्त हो रही थी जिनके आधार पर जिला खनिज विभाग द्वारा दिनांक 06.10.2025 को प्रातः 10:00 बजे खनिज एवं राजस्व विभाग द्वारा कार्यवाही की गयी जिसमें अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मनासा श्रीमति किरण आंजना, जिला खनिज अधिकारी गजेन्द्र सिंह डावर, तहसीलदार मनासा मुकेश निगम, राजस्व निरीक्षक हल्का पटवारी एवं खनि सर्वेयर सुनिल जाधव के साथ संयुक्त रूप से ग्रान खानखेडी, एवं राजपुरा क्षेत्र तहसील मनासा में छापामार कार्यवाही की गयी। कार्यवाही के दौरान रेत का अवैध उत्खनन करते हुए कुण्डला एवं खानोडी में 01 फाईटर मशीन जप्त की गयी। तथा ग्राम राजपुरा क्षेत्र से 02 फाईटर एवं 02 छोटी नावो को जप्त की गयी है। सभी 05 फाईटर/नावो को विनिष्ट कर डुबोने की कार्यवाही की गयी।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन की कार्यवाही ऑरेंज सिरप और चॉकलेट के लिए नमूने

नीमच। प्राप्त शिकायत के निराकरण हेतु सैनी पान सेंटर फव्वारा चौक नीमच का आकस्मिक निरीक्षण खाद्य एवं औषधि प्रशासन नीमच की टीम द्वारा किया गया एवं मौके पर विक्रय हेतु भंडारित एवं खाद्य पदार्थ चाकलेट का नमूना जांच हेतु लिया गया। टीम द्वारा अंश इंटरप्राइजेस शास्त्री नगर नीमच का आकस्मिक निरीक्षण कर मौके पर विक्रय हेतु भंडारित खाद्य पदार्थ ऑरेंज सिरप का नमूना लिया गया । नमूनों को जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजा गया है जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर संबंधित के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।यह जानकारी खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजू सोलंकी द्वारा दी गई।

नीमच में मेथी व कलौंजी की उन्नत खेती पर फ्रंट लाइन डेमोंस्ट्रेशन का आयोजन

नीमच : राष्ट्रीय बीज मसाला अनुसंधान केंद्र (ICAR–NRCSS), अजमेर, राजस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा आज दिनांक 07.10.2025 को कृषि विज्ञान केंद्र (KVK) नीमच के सहयोग से मेथी और कलौंजी फसलों पर फ्रंट लाइन डेमोंस्ट्रेशन (FLD) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले के प्रगतिशील किसानों को इन दोनों फसलों की उन्नत किस्मों — 'अजमेर मेथी-5' तथा 'अजमेर कलौंजी-20' — के बीज वितरित किए गए।कार्यक्रम के दौरान किसानों को बीज के साथ ट्राइकोडर्मा पाउडर (बीज उपचार हेतु) तथा मेथी और कलौंजी की उन्नत उत्पादन तकनीकों से संबंधित जानकारीपूर्ण लीफलेट्स भी वितरित किए गए।इस अवसर पर KVK नीमच के प्रमुख डॉ. सी.पी. पचौरी, वैज्ञानिक डॉ. पी.एस. नारुका और डॉ. श्याम सिंह, तथा ICAR–NRCSS अजमेर से आए वैज्ञानिक डॉ. एम.डी. मीणा और डॉ. संजय कुमार उपस्थित रहे।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. एम.डी. मीणा और डॉ. संजय कुमार ने किसानों को मेथी और कलौंजी की उन्नत उत्पादन तकनीकों, बीज उपचार, पोषक प्रबंधन और रोग नियंत्रण संबंधी वैज्ञानिक जानकारी विस्तार से प्रदान की। उन्होंने किसानों को बीज मसाला फसलों की खेती को लाभकारी व्यवसाय के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित किया।डॉ. सी.पी. पचौरी, प्रमुख, KVK नीमच ने अपने संबोधन में कहा कि किसानों को बीज मसाला फसलों की खेती वैज्ञानिक पद्धति से करनी चाहिए ताकि उत्पादन एवं गुणवत्ता दोनों में सुधार हो सके। उन्होंने बताया कि KVK और NRCSS मिलकर किसानों को समय-समय पर तकनीकी सहयोग प्रदान करते रहेंगे।कार्यक्रम के अंत में किसानों ने वैज्ञानिकों से विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की और नई तकनीकों को अपने खेतों में अपनाने का संकल्प लिया।

सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन, विज्ञान मेले में प्रदर्शित उत्कृष्ट स्टार्टअप प्रोजेक्ट्स को शीघ्र रजिस्टर करवाएगा

उज्जैन, सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय की बायोटैक एवं जूलॉजी विभाग में लर्न बाय अर्न (Learn by Earn) योजना के तहत कलर्स ऑफ़ साइंस 2.0 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम ने विश्वविद्यालय परिसर को विज्ञान, नवाचार और सृजनशीलता के रंगों से भर दिया। यह आयोजन पूर्णतः विद्यार्थियों द्वारा, विद्यार्थियों के लिए और विद्यार्थियों के ही द्वारा संचालित रहा जिसने आत्मनिर्भरता, नेतृत्व और टीमवर्क की मिसाल पेश की।इस विज्ञान मेले में विद्यार्थियों ने स्वनिर्मित उत्पादों का प्रदर्शन और विक्रय कर व्यवहारिक शिक्षा का उदाहरण प्रस्तुत किया। प्राणिकी एवं जैवप्रौद्योगिकी अध्ययनशाला के विभागाध्यक्ष डॉ. सलिल सिंह ने बताया कि मेले में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों द्वारा तैयार 30 से अधिक फूड और साइंस प्रोजेक्ट स्टॉल लगाए गए।सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन का वह हिस्सा है जो सोचने, खोजने और समाज को नई दिशा देने की प्रेरणा देता है। कलर्स ऑफ़ साइंस 2.0 जैसे आयोजन विद्यार्थियों की सृजनात्मकता, आत्मविश्वास और सामाजिक जिम्मेदारी को निखारते हैं। प्रो. भारद्वाज ने यह भी घोषणा की कि विश्वविद्यालय इस मेले में प्रदर्शित कुछ उत्कृष्ट स्टार्टअप प्रोजेक्ट्स को शीघ्र ही रजिस्टर करवाएगा।इस आयोजन में फूड स्टॉल्स पर पौष्टिकता और स्वाद का अनोखा संगम देखने को मिला। इनमें लिट्टी-चोखा (बिहार), सोल कड़ी (महाराष्ट्र), उत्तर प्रदेश की चाट, दक्षिण भारत के डोसा व इडली, माइक्रोग्रीन्स सैंडविच, जापान की सुशी, ह्यूमस ब्रेड, शुगर-फ्री डेजर्ट आदि आकर्षण का केंद्र रहे।

मंदसौर जिले के सीतामऊ में महिला से रेप और मारपीट, गुस्साएं लोग पहुंचे थाने, घेराव कर की नारेबाजी

मंदसौर। जिले के सीतामऊ थाना क्षेत्र में एक महिला के साथ रेप और मारपीट का मामला सामने आया। आरोप है कि आरोपी अर्जुन बागरी ने महिला के सीने पर कई मुक्के मारे और उसके मुंह व आसपास के हिस्सों में दांतों से काटा। इसके बाद उसने महिला के साथ बलात्कार किया और फरार हो गया। घायल महिला को गंभीर हालत में सीतामऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। पुलिस ने पीड़िता के बयान के आधार पर देर रात ही केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी। सोमवार दोपहर करीब 12 बजे अर्जुन बागरी को पकड़ लिया गया। वारदात की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में गुस्साए लोग सीतामऊ थाने पहुंचे और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए नारेबाजी की। बसई-क्यामपुर रोड पर जाम भी लगाया गया। मौके पर मौजूद एसडीओपी दिनेश प्रजापति और टीआई मोहन मालवीय ने लोगों को समझाकर शांत करवाया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है और आगे की जांच जारी है।

विधायक परिहार एवं जिला पंचायत अध्यक्ष चौहान ने किया भावांतर जागरूकता वाहन रैली का शुभारंभ

नीमच विधायक दिलीप सिंह परिहार एवं जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सज्जनसिह चौहान ने नीमच के शासकीय बालक उ.मा.विद्यालय क्रमांक 2 नीमच के प्रांगण से रविवार को हरी झंडी दिखाकर भावांतर जागरूकता वाहन रैली को रवाना किया। यह वाहन रैली शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 2 नीमच से प्रारंभ होकर शहर के विभिन्न मार्गो से होते हुए मंडी प्रांगण नीमच पहुंचकर रैली का समापन हुआ। इस मौके पर श्रीमती वंदना खंडेलवाल, एसडीएम श्री संजीव साहू, सहायक संचालक कृषि श्री दिनेश मंडलोई व अन्य अधिकारी कर्मचारी भी उपस्थित थे।

भावांतर योजना के प्रति जन जागरूकता के लिए मनासा एवं जावद में निकाली गई बाइक एवं ट्रैक्टर रैली

नीमच भावांतर योजना तहत सोयाबीन विक्रय के लिये व्यापक प्रचार-प्रसार एवं जन जागरूकता के लिये मनासा में शनिवार को मानस विधायक श्री अनिरूद्व माधव मारू के नेतृत्व में टेक्टर एवं बाईक वाहन रैली निकाली गई । यह रैली कृषि उपज मंडी से प्रारंभ हो कर कारगील चोराहा, बस स्टेंड, रामपुरा नाका ,मंदसौर नाका होते हुए वापस कारगील चौराहे पर समापन हुआ। रैली के समापन पर विधायक ने किसानो को मिठाई खिलाकर भावांतर योजना का शुभारंभ किया । रैली में एसडीएम सुश्री किरण आंजना सहित राजस्व, कृषि एवं मंडी समिति के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। इसी

प्रकार जिले के जावद विकासखण्ड में योजना के प्रचार-प्रसार एवं जन जागरूकता के लिए ट्रैक्टर एवं बाइक रैली मंडी प्रांगण जावद से प्रारंभ होकर बस स्टेंड, अठाना दरवाजा, लक्ष्मीनाथ चौक, धान मंडी रामपुरा दरवाजा होते हुए मंडी प्रांगण आकर रैली का समापन हुआ।में रेली में श्री श्याम काबरा नपा अध्यक्ष श्री सोहन माली , नपा उपाध्यक्ष श्री सूचित सोनी , श्री सचिन गोखरू सहित राजस्व, कृषि एवं मंडी समिति के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे ।

कलेक्टोरेट में सामुहिक राष्ट्रगॉन एवं वन्दे मातरम का गायन

नीमच कलेक्टर कार्यालय नीमच में शुक्रवार को सामुहिक राष्ट्रगॉन एवं वंदेमातरम का गायन किया गया। राष्ट्रगॉन म.प्र.गान एवं वन्देमातरम का गायन ए.डी.एम श्री बी.एस.कलेश ,डिप्टी कलेक्टर श्री परांग जैन तथा जिला अधिकारी-कर्मचारियों की उपस्थिति में हुआ। इस मौके पर कलेक्टोरेट भवन स्थित सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों ने सामुहिक रूप से राष्ट्रगॉन, वंदे मातरम एवं म.प्र.गॉन का गायन किया। तदपश्चात अक्टूबर माह में शासकीय कार्यो की शुरूआत की गई। इस अवसर पर कलेक्टोरेट, राजस्व, भू-अभिलेख, श्रम, सहकारिता विभाग, शिक्षा, कोषालय, जनसम्पर्क कार्यालय, शहरी विकास अभिकरण सहित विभिन्न विभागों के बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित थे।

भांवातर भुगतान योजना के तहत सभी किसानों का पंजीयन करवाए-चंद्रा

कलेक्टर ने की भांवातर योजना की तैयारियों की समीक्षा

नीमच भांवातर भुगतान योजना के तहत जिले के सोयाबीन की उपज लेने वाले सभी किसानों का आनलाईन पंजीयन सुनिश्चित करवाए।प्रयास करें कि कोई भी किसान पंजीयन से वंचित ना रहे। भांवातर योजना के तहत मण्डी में उपज विक्रय के लिए आने वाले किसानों की सुविधा के लिए भी सभी आवश्यक प्रबंध,व्यवस्थाए मण्डी समितियॉ सुनिश्चित करें । यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने भांवातर भुगतान योजना की तैयारियों के संबध में अधिकारियों की शुक्रवार को आयोजित बैठक में दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओं श्री अमन वैष्णव ,सभी एसडीएम, मण्डी सचिव , मार्केटिंग, वेयर हाउस,सहकारिता, कृषि व अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने तीनों एसडीएम को निर्देश दिए कि वे मण्डी समितियों में नामजद अधिकारियों की ड्यूटी लगाए और भांवातर योजना के तहत खरीदी कार्य की पूर्व तैयारियों के संबंध में उपखण्डस्तर पर बैठके करवाएं। बैठक में बताया गया कि जिले में 71 पंजीयन केंद्र बनाए गये है। यह केन्द्र सहकारी, समितियों ,कियोस्क ,एम.पी.आनलाईन

मार्केटिग,सोसायटी में स्थापित भांवातर योजना के तहत किसानों के पंजीयन केन्द्र स्थापित।इन केन्द्रों पर 3 अक्टूबर से पंजीयन कार्य प्रारंभ हो गया है । कलेक्टर ने निर्देश दिए कि प्रतिदिन प्रतिकेन्द्र कम से कम 300 किसानों का योजना में पंजीयन करवाएं । बैठक में बताया गया कि भांवातर योजना के तहत किसानों की सुविधा के लिए नीमच जावद एवं मनासा की मण्डी में हेल्पडेस्क स्थापित की गई है। कलेक्टर ने मण्डी समितियों मे भांवातर योजनातहत अपनी उपज विक्रय के लिए आने वाले किसानों की उपज का विक्रय न्यूनतम समय में हो, ऐसी व्यवस्था करने के निर्देश दिए ।

अधिकाधिक हितग्राहियों को स्वरोजगार योजनाओं का लाभ दिलवाएं-चंद्रा

नीमच,जिले के सभी विभागों के अधिकारी,विभागीय स्वरोजगार योजनाओं हितग्राहियों मूलक योजनओं में पंख अभियान के तहत बाछड़ा समुदाय के पात्र युवाओं हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाए और उन्हे स्वरोजगार से जोडे। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने शुक्रवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में पंख अभियान के तहत आयोजित बैठक में विभागवार एवं योजनावार प्रगति की समीक्षा करते हुए दिए। बैठक में जि.पं.सीईओं श्री अमन वैष्णव ,डिप्टी कलेक्टर श्री पराग जैन व अन्य अधिकारी उपस्थित थे । बैठक में कलेक्टर ने पशुपालन विभाग एवं अंत्यावयासी विकास निगम द्वारा विभागीय योजनाओं में बाछड़ा समुदाय के हितग्राहियों के लाभावित करने के कार्य की सराहना की। उन्होने सभी विभागों की विभागीय योजनाओं में

लाभावित बाछड़ा समुदाय के युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने का कार्य प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए। बैठक में पी.एम.एफ.एम.ई. योजना के तहतअपेक्षित प्रगति नही पाये जाने पर कलेक्टर ने उद्यानिकी उप संचालक के प्रति असंतोष जताते हुए, एक माह में प्रगति लाने के निर्देश दिए।बैठकमें कलेक्टर ने ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान को बाछड़ा समुदाय के स्वरोजगार का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकें हितग्राहियों का फालोअप कर , उन्हे स्वरोजगार योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए ।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने फसल क्षति पर प्रदेश की किसानों के खाते में अंतरित की राहत राशि

नीमच जिले के 1.41 लाख से अधिक किसानों को 119.6 करोड़ की राहत

नीमच,प्रदेश के मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव द्वारा शुक्रवार को वीडियों कांफ्रेसिंग से प्रदेश के आपदा पीडित किसानों को फसल क्षति पर राहत राशि का अंतरण सिंगल क्लिक के माध्यम से किया गया। नीमच जिले के592 ग्रामों के 1.41 लाख से अधिक किसानों को अतिवृष्टि पीला, मोजेक से फसलों को हुई क्षति पर 119.6 करोड़ रुपए की राहत राशि स्वीकृत की गई है। दीपावली से पूर्व ही किसानों को राहत राशि का भुगतान शासन द्वारा किया जा रहा है । वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित इस कार्यक्रम में नीमच के एनआईसी कक्ष में विधायक नीमच श्री दिलीप सिंह परिहार विधायक मनासा श्री अनिरुद्ध मारू जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सज्जन सिंह चौहान कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा, एडीएम श्री बीएस कलेश, श्रीमती वंदनाखंडेलवाल अन्य अधिकारी तथा जिले के किसान उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने जिले के किसानों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद कर राहत राशि मिलने पर उन्हें बधाई दी। विधायक श्री दिलीप सिंह परिहार एवं श्री अनिरुद्ध मारू ने भी मुख्यमंत्री जी से चर्चा कर दिवाली से पहले पीड़ित किसानों के खाते में राशि अंतरित करने पर मुख्यमंत्री जी की संवेदनशीलता की सराहना करते हुए बधाई दी। वर्चुअल संवाद करते हुए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने किसानों से कहा कि मध्य प्रदेश सरकार का हर कदम अन्नदाता की मदद को तैयार है। उन्होंने कहा कि भावांतर योजना का लाभ किसानों को मिलेगा। साथ ही फसल बीमा का लाभ भी दिलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के किसानों को पहली बार येलो मोजैक से नुकसान पर भी सरकार द्वारा किसानों को राहत राशि का भुगतान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि फसल तैयार होकर किसानों के घरों में नहीं आई, उसके पहले ही सरकार ने किसानों के खाते में राहत राशि का भुगतान कर दिया है। मुख्यमंत्री ने सभी किसानों जनप्रतिनिधियों को दशहरा और दीपावली पर्व की शुभकामनाएं भी दी है।उल्लेखनीय हैकि मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव की मंशानुसार कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा जिले में टीमें लगाकर तत्परता पूर्वक फसल नुकसानी का सर्व करवाया गया। परिणाम स्वरूप किसानों को दीपावली पूर्व ही राहत राशि का भुगतान सम्भव हो पाया है।प्रभावित किसानों के तत्परता पूर्वक राहत राशि का लाभ मिला है ।

जावद उप जेल नमो उपवन में किया गया फलदार पौधों का रोपण

नीमच उप जेल जावद में सेवा पखवाड़ा के दौरान स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत गांधी जयंती के अवसर पर समस्त जेल स्टाफ द्वारा जागरूकता दौड़ एवं जेल परिसर में नमो उपवन का शुभारम्भ करने के साथ ही सेवा पखवाड़े का समापन किया गया। इस अवसर सब जेल जावद के जेल परिसर में साफ सफाई की गई और नमो उपवन में फलदार वृक्षों जैसे - आम, अमरूद, सीताफल, नींबू, आदि का रोपण किया गया। कार्यक्रम जेल का समस्त स्टाफ नवीन स्पोर्ट्स ड्रेस में उपस्थित था। मध्य प्रदेश शासन द्वारा चलाए जा रहे सेवा अभियान *' एक बगिया मां के नाम' * तहत सभी जेल कर्मचारियों द्वारा *सब जेल जावद* में *वृक्षारोपण* भी किया गया। आत्मनिर्भर भारत विकसित भारत थीम पर सभी स्टाफ को अच्छे कार्य करने एवं igot -कर्मयोगी प्रशिक्षण

सप्ताह में बढ़-चढ़ कर भाग लेने प्रोत्साहित किया गया । यह जानकारी उप जेल के सहायक अधीक्षक श्री अंशुल गर्ग द्वारा दी गई।

कुकड़ेश्वर क्षेत्र के शासकीय विद्यालयों में कार्यरत अतिथि शिक्षकों को पूरा मानदेय नहीं मिलने पर जताया रोष

कुकड़ेश्वर। क्षेत्र के शासकीय विद्यालयों में कार्यरत अतिथि शिक्षकों ने जुलाई माह का पूर्ण मानदेय नहीं मिलने पर असंतोष व्यक्त किया और इस संबंध में संकुल प्राचार्य, शा.उ.मा.वि. आंतरी को ज्ञापन सौंपा। अतिथि शिक्षकों ने ज्ञापन में उल्लेख किया कि शासन के आदेश क्रमांक / अति.शि./2025-26/199 के तहत उनकी नियुक्ति 1 जुलाई 2025 से की गई थी। वे लगातार विद्यालयों में विद्यार्थियों को अध्यापन कार्य करा रहे हैं। परंतु शासन के आदेश क्रमांक / अति.शि./उपस्थिति/2025-26/227 के अनुसार 18 जुलाई से ई-अटेंडेंस प्रणाली लागू होने के बाद, तकनीकी समस्याओं और स्मार्ट मोबाइल की अनुपलब्धता के कारण कुछ शिक्षक ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज नहीं करा सके। शिक्षकों का कहना है कि उनकी नियमित उपस्थिति विद्यालय की हाजिरी पंजी में दर्ज है और प्राचार्य के हस्ताक्षर से प्रमाणित भी है, बावजूद इसके 18 जुलाई से 31 जुलाई 2025 तक का मानदेय रोका गया है। अतिथि शिक्षकों ने शासन से मांग की है कि तकनीकी कारणों से रुका मानदेय शीघ्र जारी किया जाए, ताकि उन्हें आर्थिक संकट से राहत मिल सके।ज्ञापन देने वालों में जमनालाल मोदी, पुखराज राठौर, सत्यनारायण धनगर, ओमप्रकाश चौहान, राहुल कारपेंटर, सलोनी मालवीय, रविंद्र आर्यध्व एवं सुनील वर्मा शामिल रहे।

एक बार फिर हंगामें की भेंट चढ़ा नीमच नगर पालिका परिषद का विशेष सम्मेलन

नीमच। नगर पालिका परिषद नीमच का विशेष सम्मेलन आज सोमवार को बंगला नं. 60 स्थित पुरानी नगर पालिका सभाकक्ष में आयोजित किया गया। बैठक में कुल 24 प्रस्तावों को सर्वसम्मति से पारित किया गया। हालांकि, बैठक के दौरान कई विवादास्पद घटनाएं भी देखने को मिलीं। सफाई कर्मचारियों ने बैठक के बीच में प्रवेश कर अपनी समस्याओं और मांगों को उठाया। वहीं कांग्रेस पार्षद योगेश प्रजापति अचानक मिठाई का डब्बा लेकर नगर पालिका अध्यक्ष को बधाई देने पहुंचे और बैठक के दौरान विवादास्पद ढिल्लन भूखंड मामले को लेकर अपनी नाराजगी व्यक्त की। कांग्रेस पार्षद व नेता प्रतिपक्ष योगेश प्रजापति ने आरोप लगाया कि नगर पालिका अध्यक्ष स्वाति चोपड़ा अपने परिवार के हित के लिए पद का दुरुपयोग कर रही हैं। इसी दौरान कुत्तों की नसबंदी, बंगला बगीचा में नामांतरण और वैध व अवैध कॉलोनियों के मुद्दे पर भी परिषद में गहन बहस हुई। बैठक में शहरहित के विषयों पर चर्चा होती देखी गई, लेकिन कई पार्षदों को अंदर-बाहर जाते और आपस में चर्चा करते हुए भी देखा गया, जिससे यह प्रतीत हुआ कि शहरवासियों के मुद्दों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया।

सांसद सुधीर गुप्ता ने ग्राम गुर्जर बर्डिया में पशुपालकों से किया संवाद

नीमच सांसद सुधीर गुप्ता ने आज ग्राम गुर्जर बर्डिया में पहुंचकर पशुपालकों से संवाद किया और उन्हें "दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान" के उद्देश्यों एवं महत्व से अवगत कराया। सांसद श्री गुप्ता ने कहा कि दुग्ध उत्पादन ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। इस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता से न केवल किसान और पशुपालक की आमदनी बढ़ती है बल्कि ग्रामीण परिवारों को सतत रोजगार भी प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा चलाए जा रहे दुग्ध समृद्धि अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक पशुपालक को वैज्ञानिक ढंग से पशुपालन, दुग्ध संग्रहण और विपणन से जोड़ना है, ताकि उत्पादन और आमदनी दोनों में वृद्धि हो सके। श्री गुप्ता ने पशुपालकों से संवाद के दौरान कहा कि अब समय आ गया है कि पारंपरिक पशुपालन को आधुनिक तकनीक और नवाचार के साथ जोड़ा जाए। उन्होंने बताया कि जिले में दुग्ध सहकारी समितियों को मजबूत करने, पशुओं के लिए टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान, पशु आहार की गुणवत्ता सुधार तथा दुग्ध उत्पादों के प्रसंस्करण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

राष्ट्र के लिए मध्यस्थता..... 90-दिवसीय विशेष अभियान में नीमच जिले में लगभग 120 मामलों का हुआ सौहार्दपूर्ण निपटारा

नीमच : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA) एवं मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति (MCPC) के निर्देशानुसार एक जुलाई 2025 से 07 अक्टूबर 2025 तक "राष्ट्र के लिए मध्यस्थता" नामक एक विशेष अखिल भारतीय अभियान संचालित किया गया। इस 90-दिवसीय अभियान का उद्देश्य देशभर में न्यायपालिका के सभी स्तरों पर मध्यस्थता के माध्यम से लंबित मामलों का सौहार्दपूर्ण निपटारा सुनिश्चित करना था। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नीमच की सचिव श्रीमती शोभना मीणा ने बताया कि मध्य प्रदेश में अभियान के तहत कुल 4552 प्रकरण मध्यस्थता के माध्यम से निराकृत किए गए । नीमच जिले में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, नीमच श्री वीरेंद्र सिंह राजपूत के मार्गदर्शन में, "राष्ट्र के लिए मध्यस्थता" अभियान में जिला न्यायालय नीमच, तहसील न्यायालय जावद एवं मनासा में न्यायाधीशगणों द्वारा कुल 120 प्रकरणों का सौहार्दपूर्ण समाधान मध्यस्थता के माध्यम से किया गया है।निपटाए गए प्रकरणों में मुख्य रूप से वैवाहिक विवाद, आपराधिक समझौता योग्य मामले, चेक बाउंस, वाहन दुर्घटना दावा, उपभोक्ता विवाद, ऋण वसूली, संपत्ति विभाजन एवं अन्य दीवानी प्रकृति के मामले शामिल हैं। अभियान की सफलता में प्रशिक्षित मध्यस्थ अधिवक्तागण एवं पैरा लीगल वॉलिंटियर्स का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। जिन्होंने पक्षकारों को आपसी संवाद के माध्यम से विवाद निपटारे के लिए प्रेरित किया।

अच्छे पोषण पर टिकी है स्वस्थ समाज की नींव, कराड़िया महाराज आंगनवाड़ी में दिलाई घर पर पकाएंगे की शपथ

भगत मांगरिया चीताखेड़ा।

स्वस्थ समाज की नींव अच्छे पोषण पर टिकी होती है। इसी संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिला कलेक्टर डॉ हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार एवं महिला बाल विकास विभाग नीमच के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय पोषण अभियान सही पोषण, देश रोशन प्रत्येक घर पोषण त्योहार पोषण माह अभियान जिलेभर में चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत आंगनवाड़ी केंद्रों पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में ग्राम कराड़िया महाराज की क्रमांक 2 के आंगनवाड़ी केंद्रों पर मंगलवार को विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें महिलाओं, बच्चों और हितग्राहियों को संतुलित व घर का बना भोजन करने की सलाह दी गई।कार्यक्रम के दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने उपस्थित लोगों को बताया कि घर का ताजा बना भोजन शरीर को ऊर्जा देता है और बीमारियों से बचाता है, जबकि बाहर के बिस्किट, चिप्स, नमकीन व फास्ट फूड जैसे प्रसंस्कृत पदार्थ स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं। गर्भवती थाती, बच्चों, किशोरियों एवं बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुए। इनसे बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती है और कई तरह की बीमारियां हो सकती हैं। इस मौके पर कार्यकर्ताओं ने बच्चों के लिए हरी सब्जियों, दालों, दूध और फलों को आहार में शामिल करने की सलाह दी। इस दौरान आंगनबाड़ी केंद्र पर रंगोली बनाई व गर्भवती माताओं को फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया तथा कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता कृष्णा गायरी,माया शर्मा, ललिता पाटीदार, सहायिका सुगन कुंवर, गोपाल कुंवर मौजूद रहीं। इनके द्वारा उपस्थित महिलाओं को पोषण संबंधी जागरूकता बढ़ाना तथा मोटापा कम नमक कम, चीनी कम,तेल कम एवं प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल करने जैसी कई महत्वपूर्ण बातें बताई गई। इनके साथ ही गांव की कई महिलाएं और बच्चे भी कार्यक्रम में शामिल हुए। सभी उपस्थितजनों ने यह संकल्प लिया कि वे आने वाले दिनों में घर के बने पौष्टिक भोजन को प्राथमिकता देंगे और बच्चों को बाहर के जंक फूड से दूर रखेंगे, ताकि स्वस्थ और मजबूत भारत के निर्माण में योगदान दे सकें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कलेक्टर्स-कमिश्नर्स कॉन्फ्रेंस में दिए निर्देश

नीमच : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कलेक्टर्स-कमिश्नर्स कॉन्फ्रेंस जन कल्याण के विषयों पर मंथन की दृष्टि से सार्थक रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प की पूर्ति के लिए सुशासन की व्यवस्था लागू करते हुए हम सभी कदम से कदम मिलाकर चलें। मध्यप्रदेश में जहां मेट्रोपॉलिटन सिटी के विकास, नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन, सांदीपनि विद्यालयों की व्यवस्था सुदृढ़ बनाने और पीएम एक्सीलेंस कॉलेज के माध्यम से बेहतर शिक्षा के कदम उठाए गए हैं, वहीं प्रदेश में अनेक नवाचार भी हुए हैं। गत दो वर्ष में प्रदेश में अनेक प्रमुख नवाचार हुए इनमें एयर एंबुलेंस सेवा की शुरुआत, स्वतंत्रता दिवस पर जिला स्तर पर मंत्रीगण द्वारा जिले के विकास पर केंद्रित भाषण की प्रस्तुति, प्रदेश में औद्योगीकरण को प्राथमिकता, केन बेतवा परियोजना और पार्वती काली सिंध परियोजनाओं की बाधाएं समाप्त कर नदी जोड़ो परियोजनाओं के लिए पहल आदि प्रमुख हैं। इसके साथ ही जनसुविधा के लिए पर्यटन हवाई सेवा, ड्रोन तकनीक के उपयोग को प्रोत्साहन और ई पंजीयन सहित जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए सुशासन के अंतर्गत विभिन्न व्यवस्थाएं विकसित की गईं। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कॉन्फ्रेंस के प्रथम दिन समस्त सत्रों के पश्चात कलेक्टर्स और कमिश्नर्स को जन कल्याण की अपेक्षा के साथ आवश्यक निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा दिए गए प्रमुख निर्देश

सभी अधिकारी विजन-2047 के अंतर्गत प्रथम पांच वर्ष की योजना पर कार्य करें। कलेक्टर, सीईओ, एसपी, डीएफओ अपने जिले में टीम बनाकर कार्य करें। कलेक्टर, सीईओ एवं अन्य अधिकारी अनिवार्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में रात्रि विश्राम करें। सीएम हेल्पलाईन की शिकायतों के निराकरण पर ध्यान दिया जाए। जनसुनवाई में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी, इसे गंभीरता से लें।

किसी भी जिले से जन प्रतिनिधियों से संवादहीनता की शिकायत नहीं आना चाहिए।जिलों में नवाचार की प्रक्रिया निरंतर जारी रहे। जिन योजनाओं में सुधार की गुंजाईश है, उन पर कार्य किया जाए। गीता भवन योजना में गति लाई जाए, नगरों में ये भवन सामाजिक सद्भाव बढ़ाएंगे। साडा के कार्यों की समीक्षा की जाए। उद्योगों के लिए एमओयू के क्रियान्वयन में तेजी लाएं। पुरानी बंद मिलों की भूमि का यथाशीघ्र निपटारा किया जाए।धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा दें, प्रत्येक जिले में इस दिशा में संभावनाओं को साकार करें।लघु, कुटीर उद्योगों को प्राथमिकता देते हुए कार्य हो। भू-अर्जन की प्रक्रिया का सरलीकरण किया जाए।राजस्व प्रकरणों का निराकरण के तहत राजस्व महाभियान में जनवरी 24 से आज तक एक करोड़ 8 लाख प्रकरणों का निराकरण हो चुका है। यह कार्यवाही निरंतर जारी रहे, राजस्व प्रकरण लंबित नहीं रखे जाएं। कृषि क्षेत्र में भावान्तर योजना के पंजीयन पर ध्यान दें। वर्तमान में डेढ़ लाख किसानों के पंजीयन हो चुके हैं।प्रत्येक जिले में जैविक व प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दें। उद्यानिकी फसलों को प्रोत्साहित करें।

गुलाब की खेती को धार्मिक शहरों के करीब प्रोत्साहन दिया जाए।ड्रिप स्प्रिंकलर सिंचाई को बढ़ावा दिया जाए। प्रत्येक जिले में सप्ताह में एक दिन जैविक एवं प्राकृतिक खेती के उत्पादों के लिए बाजार नियत होना चाहिए।स्वास्थ्य क्षेत्र में अस्पतालों का नियमित निरीक्षण करें। बड़े अस्पतालों के साथ प्राईवेट मेडिकल कॉलेज पीपीपी मॉडल में निर्मित किए जाएं।

किसानों के लिए डिजिटल सुरक्षा: तकनीक से सशक्त, सुरक्षा से सुरक्षित

साभार :-विजया तिवारी, सीनियर सायबर एवं फोरेंसिक एक्सपर्ट

डिजिटल सशक्तिकरण और तकनीकी प्रगति के साथ, भारत का कृषि क्षेत्र काफी बदल रहा है। 'डिजिटल इंडिया ने हमारे किसानों को सशक्त बनाया है. और बढ़ती हुई तकनीक उन्हें मौसम की जानकारी, फसलों के मूल्य और खेती को बेहतर बनाने के लिए डिजिटल उपकरण प्रदान कर रही है। लेकिन इन लाभों के साथ नई चुनौतियाँ भी आई है और किसानों को डिजिटल रूप से सुरक्षित रखना अपने आप में एक नई चुनौती है। डिजिटल सुरक्षा अब कोई विकल्प नहीं, बल्कि एक आवश्यकता है। जिस तरह आप अपनी फसलों की सुरक्षा करते हैं, उसी तरह अपने डेटा की भी सुरक्षा करें। डिजिटल सुरक्षा राष्ट्र की सबसे बड़ी प्राथमिकता है, और यह महत्वपूर्ण है कि किसान इन डिजिटल उपकरणों का सुरक्षित रूप से उपयोग करना और खुद को ऑनलाइन समस्याओं से बचाना सीखें।

किसानों के लिए डिजिटल सशक्तिकरण क्यों महत्वपूर्ण है?

डिजिटल सशक्तिकरण ने किसानों के जीवन को आसान और तकनीकी बना दिया है। किसानों की समग्र उत्पादकता बढ़ी है। उदाहरण के लिए, 'Farmonaut' जैसे ऐप का उपयोग करके किसान अपने खेतों को बेहतर ढंग से समझने के लिए सैटेलाइट इमेजेस प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा, ऐसे कई ऐप हैं जो किसानों को मौसम की जानकारी, बाज़ार मूल्य और खेती के टिप्स जैसी महत्वपूर्ण जानकारी देते हैं।

सरकार भी इस डिजिटल बदलाव का समर्थन कर रही है। डिजिटल कृषि मिशन एक बड़ी योजना है, जिसमें 2,817 करोड़ का भारी निवेश किया गया है। सरकार का मुख्य लक्ष्य एक ऐसा सिस्टम बनाना है जहाँ किसान आसानी से डिजिटल सेवाओं का उपयोग कर सकें। इन सेवाओं में एग्रीस्टैक और कृषि निर्णय सहायता प्रणाली शामिल हैं।

एग्रीस्टैक (AgriStack)

यह एक डिजिटल डेटाबेस है जो किसानों के रिकॉर्ड, गाँवों के नक्शों और फसल की जानकारी रखता है। कृषि निर्णय सहायता प्रणाली (Krishi Decision Support System):- यह एक ऐसा उपकरण है जो डेटा का उपयोग करके किसानों की स्मार्ट निर्णय लेने में मदद करता है।

किसानों को डिजिटल रूप से सुरक्षित कैसे बनाएँ? :-

डिजिटल सेवाओं के लाभ उठाने के लिए, किसानों को इन सुरक्षा उपायों का पालन करना चाहिए मज़बूत पासवर्ड का उपयोग करें "123456' जैसे सामान्य पासवर्ड का उपयोग करने से बचें। पासवर्ड में अक्षर, संख्याएँ और विशेष वर्णों का संयोजन रखें ताकि इसे आसानी से हैक न किया जा सके।

फिशिंग से सतर्क रहें:-

एसएमएस, ईमेल या वॉट्सऐप संदेशों में संदिग्ध लिंक पर कभी क्लिक न करें। अपनी व्यक्तिगत जानकारी, जैसे बैंक खाता नंबर या आधार नंबर, को संदेश या कॉल पर साझा करने से बचें।

केवल आधिकारिक ऐप्स का उपयोग करें

सरकार द्वारा अनुशंसित ऐप्स जैसे mKisan और PM-Kisan को प्राथमिकता दे। सुरक्षित नेटवर्क का उपयोग करें, सार्वजनिक वाई-फाई से बचें, क्योंकि यह आपके डेटा को असुरक्षित बना सकता है। संवेदनशील लेनदेन के लिए मोबाइल डेटा गा विश्वसनीय वाई-फाई का उपयोग करें।

साइबर अपराधों की रिपोर्ट करें

यदि आपको साइबर धोखाधड़ी का संदेह हो तो तुरंत स्थानीय साइबर अपराध रोल को रिपोर्ट करें या cybercrime.gov.in पर जाएँ। सरकार को बेहतर इंटरनेट पहुँच, बेहतर कनेक्टिविटी और अधिक जागरूकता कार्यक्रमों पर ध्यान देने की आवश्यकता है जो किसानों तक पहुँच सकें। डिजिटल सुरक्षा राष्ट्र की सर्वोपरि प्राथमिकता है और यह भारतीय किसानों को आधुनिक तकनीक से लाभान्वित होने में मदद करेगी।

ऐप्स को अपडेट रखें अपने मोबाइल ऐप्स और ऑपरेटिंग सिस्टम को हमेशा अपडेट रखें। अपडेटेड ऐप्स कमजोरियों को ठीक करते हैं और आपको हैकिंग के जोखिम से बचाते हैं।

नीमच-मनासा मार्ग पर सड़क हादसा, अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत, हेलमेट न पहनने से बढ़ी चोटें

नीमच |नीमच जिले के नीमच-मनासा मार्ग पर शुक्रवार देर रात हुए सड़क हादसे में 35 वर्षीय बाइक सवार की मौत हो गई। मृतक की पहचान जीरन थाना क्षेत्र के कालीकोटड़ी निवासी सुनील मेघवाल के रूप में हुई है। हादसा रेवली-देवली गांव के पास हुआ।

देर रात हुआ हादसा

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, सुनील मेघवाल रात करीब 11 बजे अपनी मोटरसाइकिल से कहीं जा रहा था। तभी रेवली-देवली के पास एक अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि मोटरसाइकिल काफी दूर जा गिरी और सुनील सड़क पर बुरी तरह घायल हो गया।

सिर पर आई गंभीर चोट

हादसे में सबसे बड़ी चोट सुनील के सिर पर आई। वह हेलमेट नहीं पहने हुए था, जिसके कारण चोट घातक साबित हुई। राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायल को टेंपो से जिला अस्पताल भिजवाया।

इलाज के दौरान मौत

डॉक्टरों ने सुनील का इलाज शुरू किया, लेकिन गंभीर चोटों के कारण शनिवार सुबह उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया।

वाहन चालक की तलाश

पुलिस ने बताया कि हादसे के बाद टक्कर मारने वाला वाहन चालक मौके से फरार हो गया। उसकी तलाश की जा रही है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

संदिग्ध कफ सिरप को लेकर औषधि विक्रेताओं की साथ बैठक संपन्न

मंदसौर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा बताया गया कि जिले में औषधि विक्रेताओं के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी विक्रेताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निर्देशित किया गया कि सभी औषधि विक्रेता केवल पंजीकृत चिकित्सक के प्रिस्क्रिप्शन पर ही दवा प्रदान करें। बैठक के पश्चात जिला अस्पताल के सामने स्थित सेंट्रल मेडिकल एवं कैश फार्मा पर निरीक्षण किया गया, जहां से कफ सिरप के सैंपल जांच हेतु लिए गए।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि अभी तक प्राप्त जानकारी के अनुसार छिंदवाड़ा में जिस कफ सिरप से घटना हुई है, वह कफ सिरप मंदसौर जिले में सप्लाई नहीं हुई है। उक्त कफ सिरप की निर्माता कंपनी का कोई भी स्टॉकिस्ट मंदसौर जिले में नहीं पाया गया है।

ज्ञानमंदिर विधि महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने जाना थाने में कैसे होती है, कानूनी प्रक्रिया

नीमच आपराधिक गतिविधियों के रोकथाम के लिए पुलिस किस तरह काम करती है, अपराधियों को किस तरह गिरफ्तार किया जाता है, उन्हें लॉकअप में किस प्रकार और कब तक रखा जा सकता है पुलिस द्वारा हथियारों का उपयोग किस प्रकार किया जाता है, प्रथम सूचना रिपोर्ट से न्यायालय में अपराधी को उपस्थित किये जाने तक की प्रक्रियात्मक कार्यप्रणाली आज शनिवार को ज्ञानमंदिर लॉ कॉलेज के विद्यार्थियों ने नीमच कैंट पुलिस थाने पहुँच कर प्राचार्य डॉ. विवेक नागर के मार्गदर्शन में डॉ. वर्षा काछवाल एवं श्रीमति कीर्ति कौशिक द्वारा विद्यार्थियों को पुलिस कार्यप्रणाली के व्यवहारिक ज्ञान से अवगत करवाये जाने हेतु विजिट करवायी गयी। पुलिस थाना विजिट के दौरान कैंट थाना प्रभारी पुष्पा चौहान एवं उपनिरीक्षक दीवान सिंह चौहान एवं मनोज तिवारी ने विद्यार्थियों को विस्तार पूर्वक बताया, कि पुलिस द्वारा प्रथम सूचना रिपोर्ट कैसे दर्ज की जाती है, चार्टशीट तैयार करके अभियुक्त को न्यायालय में उपस्थित करने तक की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से समझाया। विद्यार्थियों ने यह भी जाना कि गिरफ्तार अभियुक्त को किस प्रकार रखा जाता है और किस प्रकार पूछताछ की जाती है उन्होंने यह भी बताया कि किस प्रकार अपराध होने पर अन्वेषण किया जाता है और न्यायालय में चालान प्रस्तुत होने के बाद पुलिस अधिकारी की क्या भूमिका होती है। विद्यार्थियों को उक्त विजिट से प्राप्त व्यावहारिक ज्ञान के लिए महाविद्यालय प्रबंधन ने थाना प्रभारी का आभार व्यक्त किया।

नीमच में मंदिर जाते समय युवक को सांप ने डसा

नीमच | जीरन थाना क्षेत्र के पालसोडा के पास बुधवार देर रात एक युवक को मंदिर जाते समय सांप ने डस लिया। घटना के बाद युवक को तुरंत जिला चिकित्सालय लाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार फिलहाल उसकी स्थिति स्थिर है और निगरानी में रखा गया है। जानकारी के अनुसार, चित्तौड़ के चंदेरिया निवासी रोहित (21) पुत्र रतन अपने मामा के घर बकरोल गांव आया हुआ था। बुधवार रात वह गांव के बालाजी मंदिर दर्शन करने जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में अचानक उसे सांप ने काट लिया। सांप के डसने के बाद रोहित घबराकर तुरंत घर लौटा और परिजनों को पूरी घटना बताई। परिजन भी घबराए, लेकिन समय गंवाए बिना उसे नीमच जिला चिकित्सालय लेकर पहुंचे।जिला अस्पताल में रोहित का इलाज जारी है। डॉक्टरों ने बताया कि युवक को समय पर अस्पताल पहुंचा दिया गया, इसलिए स्थिति नियंत्रण में है। एंटी-स्नेक वेनम इंजेक्शन दिया गया है और उसकी हालत पर लगातार नजर रखी जा रही है।घटना के बाद गांव के लोगों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने बताया कि इस क्षेत्र में अक्सर सांप दिखाई देते हैं, लेकिन देर रात मंदिर जाते समय इस तरह की घटना से लोग और ज्यादा चिंतित हो गए हैं।

लम्पी रोग से बचाव के लिए पशुओं का उपचार करवाएं....
पशुपालन विभाग द्वारा किया जा रहा है टीकाकरण

नीमच : नीमच जिले में गोवंश को लम्पी रोग से बचाव हेतु लगातार टीकाकरण किया जा रहा हैं। वर्ष 2025-26 में जिले को एक लाख 75 हजार लम्पी टिकाद्रव्य प्राप्त हुआ है जिसमें से एक लाख 47 हजार गोवंश का टीकाकरण किया जा चुका है। वर्तमान में टीकाकरण निरंतर कार्य किया जा रहा हैं।उपसंचालक पशुपालन डॉ.राजेश पाटीदार ने बताया, कि उक्त रोग में शरीर पर गठाने बनना, गले व पांव में सूजन तथा बुखार के लक्षण दिखाई देते है। पशुपालकों को सलाह दी गई है, कि पशुओं को साफ सुथरी जगह में बांधे। मक्खी, मच्छर से बचाने

के लिए पशुशाला में धुऐ का प्रयोग करे। पशु के शरीर पर एक दिन छोड़कर नीम का तेल लगाए।उक्त रोग मनुष्यों को प्रभावित नहीं करता है। यदि पशु में रोग के लक्षण दिखे तो तत्काल उसे पृथक बाँधे और लाक्षणिक उपचार हेतु नजदिकी पशु चिकित्सा विभाग की संस्था प्रभारी से या गौसेवक से सम्पर्क करें। साथ ही 1962 पर कॉल कर चलित पशु चिकित्सा ईकाई से भी उपचार करवाएँ। यदि पशुओं के टीके लगवाने है तो नजदिकी पशु चिकित्सा विभाग की संस्था या गौसेवक से सम्पर्क कर टीकाकरण करवाएँ।नगरिय क्षेत्र में विचरण कर रहे निराश्रित गौवंश के टीकाकरण हेतु नगरीनिकाय से समन्वय कर, टीकाकरण किया जा रहा हैं।

मनासा में भावांतर योजना को लेकर निकाली ट्रैक्टर-बाइक रैली

नीमच |नीमच किसानों को भावांतर भुगतान योजना की जानकारी देने और उन्हें इस योजना से जुड़ने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से शनिवार शाम मनासा में एक विशेष ट्रैक्टर और बाइक रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का नेतृत्व स्थानीय विधायक अनिरुद्ध माधव मारू ने किया।

कृषि मंडी से हुई रैली की शुरुआत

रैली का शुभारंभ कृषि उपज मंडी परिसर से हुआ, जहां से बड़ी संख्या में ट्रैक्टर और बाइक सवार किसान शामिल हुए। खास बात यह रही कि स्वयं विधायक मारू ने ट्रैक्टर चलाकर रैली की शुरुआत की, जो किसानों के लिए आकर्षण का केंद्र बना।

शहर के मुख्य मार्गों से गुज़री रैली यह रैली नगर के प्रमुख मार्गों

कारगिल चौराहा, बस स्टैंड, रामपुरा नाका और मंदसौर नाका से होकर गुज़री और वापस कारगिल चौराहे पर संपन्न हुई। रास्ते भर किसानों को भावांतर योजना की महत्ता और इसके लाभों के बारे में जागरूक किया गया। रैली के समापन पर विधायक मारू ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य की भाजपा सरकार किसानों के हित में लगातार काम कर रही है। उन्होंने बताया कि —किसानों का पंजीयन 3 अक्टूबर से शुरू

हो चुका है और यह प्रक्रिया 17 अक्टूबर 2025 तक चलेगी। सोयाबीन की खरीदी 24 अक्टूबर से 15 जनवरी 2026 तक की जाएगी। योजना का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य और भावांतर भुगतान समय पर मिल सके।

प्रतीकात्मक शुभारंभ और मिठाई वितरण

कार्यक्रम के अंत में विधायक मारू ने किसानों को मिठाई खिलाकर भावांतर योजना की शुरुआत का प्रतीकात्मक ऐलान किया। उन्होंने कहा कि किसान इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और समय रहते पंजीयन अवश्य कराएं। प्रशासन और किसानों की बड़ी भागीदारीइस रैली में एसडीएम किरण आंजना, राजस्व विभाग, कृषि विभाग और मंडी समिति के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

पंख अभियान के तहत ई-रिक्शा का संचालन कर आत्मनिर्भर बने बाछडा समुदाय के युवा

पंख अभियान से आत्मनिर्भरता की ओर बढ रहे है नीमच के युवा

नीमच जिला प्रशासन द्वारा कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में संचालित पंख अभियान युवाओं, महिलाओं और बालिकाओं के जीवन में आशा की नई किरण बनकर सामने आया हैं। इस अभियान का उद्देश्य समाज के वंचित वर्गों को शिक्षा, रोजगार और सम्मानजनक जीवन से जोड़ना हैं। हाल ही में अभियान के तहत बांछड़ा समुदाय के पांच युवाओं को ग्रीनको कंपनी के सहयोग से स्मार्ट ई-रिक्शा उपलब्ध करवाए गए। इससे न केवल उन्हें स्थायी आय का साधन मिला बल्कि आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाने का अवसर भी प्राप्त हुआ हैं। पंख अभियान के तहत नेवड के बाछडा समुदाय के युवा विनोद मालवीय, हिंगोरिया के मनीष, दिनेश मालवीय एवं मुकेश को प्रशासन द्वारा सीएसआर मद से ई-रिक्शा प्रदान किए गये हैं। अब ये युवा स्वयं ई-रिक्शा का संचालन कर अपना और अपने परिवार का गुजर बसर कर रहे हैं। उन्हें स्वयं का रोजगार मिल गया हैं। इसके साथ ही पंख अभियान में महिलाओं और बालिकाओं को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। जिले की बालिकाओं को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित किया जा रहा है। बेटियों के लिए छात्रवृत्ति, करियर मार्गदर्शन और कौशल विकास प्रशिक्षण जैसी पहल उन्हें आत्मविश्वास और स्वतंत्रता की दिशा में सशक्त बना रही हैं। वहीं महिलाओं

को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए स्व-सहायता समूह आधारित रोजगार, सिलाई-कढ़ाई, खाद्य प्रसंस्करण और हस्तशिल्प जैसी गतिविधियों से भी जोड़ा जा रहा है। इससे घर-परिवार के साथ-साथ वे आर्थिक रूप से भी सशक्त हो रही हैं।कलेक्टर हिमांशु चंद्रा का यह दृष्टिकोण युवाओं, महिलाओं और बालिकाओं को सरकारी योजनाओं तथा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) से जोड़कर उन्हें जीवनयापन के साधन उपलब्ध कराने पर केंद्रित हैं। विनोद को मिला स्वयं का रोजगार - पंख अभियान के तहत प्रशासन द्वारा नेवड़ के युवा विनोद मालवीय को ई-रिक्शा उपलब्ध कराया गया है। वे ई-रिक्शा का संचालन कर अपनी आजीविका चला रहे हैं।सगरग्राम के बाछड़ा समुदाय के युवा मनीष कुमार को भी किराना दुकान के लिए ऋण उपलब्ध करवाया गया है,

नीमच में सीएम राइज स्कूल निर्माण को लेकर छात्रों का हंगामा
विधायक आवास पर दिया धरना, अधिकारियों के आश्वासन पर समाप्त हुआ विरोध

नीमच नीमच में शासकीय बालक उच्च माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 2 की इमारत को सीएम राइज स्कूल के निर्माण के लिए तोड़े जाने की सूचना से भड़के छात्र-छात्राओं ने रविवार दोपहर बड़ा विरोध प्रदर्शन किया। छुट्टी होने के बावजूद बड़ी संख्या में विद्यार्थी सड़क पर उतर आए और विधायक दिलीप सिंह परिहार के निवास के बाहर बैठ गए। इस दौरान घंटों नारेबाजी हुई।

पढ़ाई प्रभावित होने और बस सुविधा की चिंता

छात्रों ने कहा कि यह स्कूल क्षेत्र का एक प्रमुख और पुराना शिक्षा केंद्र है। इसे तोड़े जाने से उनकी पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित होगी। छात्रों ने भवन को "केवल दीवारों का ढांचा नहीं, बल्कि बच्चों के सपनों की नींव" बताया। विरोध का एक मुख्य कारण यह भी था कि उन्हें वर्तमान सीएम राइज स्कूल में सुबह की शिफ्ट में शिफ्ट किया जा रहा है। गांव से आने वाले विद्यार्थियों ने चिंता जताई कि बस सुविधा नहीं होने के कारण उन्हें समय पर पहुंचना मुश्किल होगा। छात्रों ने मांग की है कि क्रमांक 2 स्कूल में सीएम राइज स्कूल नहीं बनाया जाए, बल्कि इसे अन्य स्थान पर बनाया जाए।

मौके पर पहुंचे पुलिस और प्रशासन के अधिकारी

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कैंट थाना पुलिस, एसडीएम संजीव साहू, तहसीलदार और जिला शिक्षा अधिकारी एस.एम. मांगरिया सहित कई अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे और छात्रों को समझा-बुझाकर विरोध खत्म कराया। विधायक दिलीप सिंह परिहार ने क्रमांक 2 की भूमि को शासन स्तर पर सीएम राइज विद्यालय के लिए चयनित किया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि "बच्चों के भविष्य और बेहतर शिक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए उनकी सुविधाओं और पढ़ाई पर कोई विपरीत असर नहीं पड़ने दिया जाएगा।" जिला शिक्षा अधिकारी मांगरिया ने भी छात्रों को बेहतर शिक्षा और सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस योजना को आवश्यक बताया।

"दीवारें नहीं, सपनों की नींव है यह स्कूल"

छात्र-छात्राओं ने विरोध के दौरान साफ कहा कि क्रमांक-2 स्कूल केवल ईंट-पत्थर का ढांचा नहीं है, बल्कि यह उनके सपनों और भविष्य की नींव है। इसे तोड़ना छात्रों के साथ अन्याय होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस विद्यालय को बंद करने

से पढ़ाई की निरंतरता टूट जाएगी और शिक्षा व्यवस्था प्रभावित होगी। विरोध का एक बड़ा कारण यह भी रहा कि छात्रों को मौजूदा सीएम राइज स्कूल की सुबह की शिफ्ट में भेजा जा रहा है। गांव से आने वाले बच्चों ने चिंता जताई कि बस सुविधा की कमी के कारण समय पर पहुंचना संभव नहीं होगा। कई छात्र-छात्राओं ने कहा कि इससे उनकी पढ़ाई पर बुरा असर पड़ेगा और परीक्षाओं में परिणाम भी प्रभावित होंगे।

प्रशासन मौके पर पहुंचा

विरोध की गंभीरता को देखते हुए कैंट थाना पुलिस, एसडीएम संजीव साहू, तहसीलदार और जिला शिक्षा अधिकारी एस.एम. मांगरिया सहित कई अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने छात्रों को आश्वासन दिया कि उनकी सुविधाओं और पढ़ाई से समझौता नहीं किया जाएगा। लगातार समझाइश के बाद आखिरकार छात्रों ने आंदोलन समाप्त कर दिया।

विधायक का आश्वासन

विधायक दिलीप सिंह परिहार ने भी छात्रों से बात करते हुए कहा कि क्रमांक-2 विद्यालय की भूमि को शासन स्तर पर सीएम राइज स्कूल के लिए चुना गया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि बच्चों की पढ़ाई पर किसी भी प्रकार का नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा। बल्कि सीएम राइज स्कूल का उद्देश्य छात्रों को बेहतर शिक्षा और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

विरोध खत्म, पर आशंकाएं बाकी

हालांकि, अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के आश्वासन के बाद विरोध-प्रदर्शन खत्म हो गया, लेकिन छात्रों ने संकेत दिए कि यदि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया तो वे दोबारा आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

भारत में साइबर सिक्योरिटी: डिजिटल युग का सबसे तेज़ी से बढ़ता करियर विकल्प

भारत में साइबर सिक्योरिटी का क्षेत्र आज के डिजिटल युग में सबसे तेजी से बढ़ते करियर विकल्पों में से एक बन गया है। देश की अर्थव्यवस्था और जीवनशैली दोनों ही तेजी से डिजिटल हो रहे हैं — बैंकिंग से लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य, सरकारी सेवाएं, बिजनेस और यहां तक कि व्यक्तिगत डेटा तक, सब कुछ अब इंटरनेट से जुड़ा हुआ है। इस डिजिटल विस्तार के साथ ही साइबर अपराधों का खतरा भी कई गुना बढ़ गया है। डेटा चोरी, ऑनलाइन फ्रॉड, हैकिंग, फिशिंग और रैनसमवेयर अटैक जैसी घटनाएं अब आम होती जा रही हैं। ऐसे में कंपनियों, बैंकों और सरकारी संस्थानों को ऐसे विशेषज्ञों की जरूरत है जो उनके सिस्टम और डेटा को सुरक्षित रख सकें। यही वजह है कि साइबर सिक्योरिटी अब एक "भविष्य का करियर" माना जा रहा है।साइबर सिक्योरिटी मूल रूप से एक ऐसा क्षेत्र है जो कंप्यूटर नेटवर्क, सर्वर और डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित करता है। इस क्षेत्र में काम करने वाले विशेषज्ञों का काम होता है किसी भी साइबर हमले से पहले संभावित खतरे को पहचानना, सिस्टम की कमजोरियों को दूर करना और किसी भी अटैक के बाद तुरंत प्रतिक्रिया देकर नुकसान को कम से कम करना। यह काम तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ तर्कशक्ति, धैर्य और विश्लेषणात्मक सोच की भी मांग करता है।अगर कोई छात्र इस क्षेत्र में करियर बनाना चाहता है तो उसे तकनीकी शिक्षा के साथ साइबर सिक्योरिटी की मूल समझ होनी चाहिए। 12वीं के बाद छात्र कंप्यूटर साइंस, इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी या इलेक्ट्रॉनिक्स से B.Tech या B.Sc की डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। इसके बाद साइबर सिक्योरिटी में पोस्ट-ग्रेजुएशन या स्पेशलाइजेशन कोर्स करना फायदेमंद होता है। आज कई नामी संस्थान जैसे IITs, NITs और निजी विश्वविद्यालय साइबर सिक्योरिटी में स्नातक और परास्नातक स्तर के कोर्स प्रदान कर रहे हैं। इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय स्तर के सर्टिफिकेट कोर्स जैसे CEH (Certified Ethical Hacker), CISSP (Certified Information Systems Security Professional), CompTIA Security+, OSCP और CISM भी इस क्षेत्र में आपकी प्रोफेशनल वैल्यू को कई गुना बढ़ा देते हैं।साइबर सिक्योरिटी में करियर के कई अलग-अलग रास्ते हैं। कुछ लोग एथिकल हैकिंग के क्षेत्र में विशेषज्ञ बनते हैं, जहां वे सिस्टम की कमजोरियों की पहचान कर उन्हें दूर करने का काम करते हैं। वहीं कुछ नेटवर्क सिक्योरिटी इंजीनियर के रूप में काम करते हैं, जो कंपनी के नेटवर्क को बाहरी हमलों से सुरक्षित रखते हैं। इसके अलावा, इंफॉर्मेशन सिक्योरिटी एनालिस्ट, साइबर फॉरेंसिक एक्सपर्ट, सिक्योरिटी कंसल्टेंट और साइबर रिस्क मैनेजर जैसी भूमिकाएं भी बहुत लोकप्रिय हैं।नौकरी के अवसरों की बात करें तो साइबर सिक्योरिटी प्रोफेशनल्स की मांग लगभग हर क्षेत्र में है। आईटी कंपनियों के साथ-साथ बैंक, बीमा कंपनियां, सरकारी एजेंसियां, स्टार्टअप्स, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और यहां तक कि छोटे बिजनेस भी अब साइबर सिक्योरिटी विशेषज्ञों को नियुक्त कर रहे हैं। भारत में कई सरकारी एजेंसियां जैसे CERT-In (Indian Computer Emergency Response Team), DRDO, ISRO, NIA और राज्य साइबर पुलिस विभाग इस क्षेत्र के विशेषज्ञों को नियमित रूप से भर्ती करते हैं।वेतन के दृष्टिकोण से यह क्षेत्र बेहद आकर्षक है। एक नए प्रोफेशनल को शुरुआत में ही चार से आठ लाख रुपये प्रतिवर्ष तक की सैलरी मिल सकती है। कुछ वर्षों के अनुभव के बाद यह आय दस से बीस लाख रुपये या उससे भी अधिक हो सकती है। बड़ी कंपनियों और मल्टीनेशनल फर्म्स में अनुभवी साइबर सिक्योरिटी विशेषज्ञों की सैलरी तीस से पचास लाख रुपये तक पहुंच सकती है। अगर कोई व्यक्ति अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम करता है, तो उसकी सैलरी डॉलर में होती है और यह भारत की तुलना में कई गुना अधिक होती है।भारत सरकार भी साइबर सिक्योरिटी को लेकर गंभीर है। "डिजिटल इंडिया" और "साइबर सुरक्षा नीति" जैसी योजनाओं के तहत देश में डिजिटल सिस्टम को मजबूत बनाने पर लगातार काम हो रहा है। अनुमान है कि 2030 तक भारत को लगभग 15 लाख से अधिक साइबर सिक्योरिटी विशेषज्ञों की आवश्यकता होगी। इसका मतलब यह है कि आने वाले वर्षों में इस क्षेत्र में करियर की स्थिरता और अवसर दोनों ही सुनिश्चित हैं।साइबर सिक्योरिटी केवल एक नौकरी नहीं बल्कि एक जिम्मेदारी भी है। एक साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट के रूप में आप किसी संस्था या देश के डिजिटल ढांचे की रक्षा करते हैं। यह एक ऐसा पेशा है जिसमें चुनौतियां भी हैं और सम्मान भी। आपको लगातार नई तकनीकों को सीखना पड़ता है क्योंकि साइबर अपराधी भी हर दिन नए तरीके ढूंढते हैं। इसलिए इस क्षेत्र में सीखना कभी खत्म नहीं होता।अगर किसी युवा को तकनीक में रुचि है, समस्याओं को हल करने की क्षमता है और वह डिजिटल दुनिया की सुरक्षा को लेकर उत्साहित है, तो साइबर सिक्योरिटी उसके लिए सबसे उपयुक्त और सुरक्षित करियर विकल्पों में से एक है। यह न केवल भविष्य की जरूरत है, बल्कि एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें काम का रोमांच, जिम्मेदारी, स्थिरता और आकर्षक आय – सब कुछ मौजूद है।

वर्क फ्रॉम होमः घर से काम करके कमाई का बढ़ता हुआ करियर विकल्प

भारत में वर्क फ्रॉम होम यानी घर से काम करना आज सबसे तेजी से बढ़ते हुए करियर विकल्पों में से एक बन चुका है। पहले जहाँ लोग नौकरी के लिए ऑफिस या किसी संस्था में जाकर काम करते थे, वहीं अब तकनीक और इंटरनेट के माध्यम से घर बैठे ही काम करना संभव हो गया है। डिजिटल क्रांति और इंटरनेट की पहुँच ने भारत में रोजगार के परिदृश्य को पूरी तरह बदल दिया है। कोविड-19 महामारी के बाद वर्क फ्रॉम होम का चलन और भी तेजी से बढ़ा और लाखों लोग अपने घर से ही अलग-अलग कंपनियों, संस्थाओं या फ्रीलांस प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से काम करके अच्छा पैसा कमा रहे हैं। वर्क फ्रॉम होम का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इसमें ऑफिस जाने की जरूरत नहीं होती, ट्रैवलिंग का समय और खर्च बचता है, और व्यक्ति अपने समय के अनुसार काम कर सकता है। इससे काम और निजी जीवन के बीच संतुलन बनाए रखना आसान होता है। इस मॉडल ने खासकर महिलाओं, छात्रों और ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खोले हैं। अब वे शहर जाकर नौकरी किए बिना घर बैठे ही देश और विदेश की कंपनियों के लिए काम कर सकते हैं। भारत में वर्क फ्रॉम होम के लिए कई तरह के काम उपलब्ध हैं। इनमें कंटेंट राइटिंग, डिजिटल मार्केटिंग, डेटा एंट्री, ग्राफिक डिजाइनिंग, सोशल मीडिया मैनेजमेंट, वर्चुअल असिस्टेंस, ऑनलाइन ट्यूशन, वेब डेवलपमेंट और कस्टमर सपोर्ट शामिल हैं। इन कामों के लिए केवल लैपटॉप, इंटरनेट कनेक्शन और बुनियादी कौशल की आवश्यकता होती है। उदाहरण के तौर पर, यदि किसी को अंग्रेजी या हिंदी में लिखने का कौशल आता है तो वह कंटेंट राइटर या कॉपीराइटर के रूप में घर से काम कर सकता है। डिजिटल मार्केटिंग और सोशल मीडिया हैंडलिंग भी आज हर कंपनी की जरूरत बन गई है और इन क्षेत्रों में भी लोग घर से ही काम कर रहे हैं। वर्क फ्रॉम होम के लिए कई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म उपलब्ध हैं जो लोगों को प्रोजेक्ट्स और जॉब्स से जोड़ते हैं। इसमें Upwork, Freelancer, Fiverr, Toptal और Guru जैसी वेबसाइटें शामिल हैं। भारत में भी कई बड़ी कंपनियां जैसे Wipro, Infosys, Amazon, TCS और Byju's वर्क फ्रॉम होम जॉब्स ऑफर कर रही हैं। इसके अलावा ऑनलाइन टीचिंग प्लेटफॉर्म जैसे Vedantu, Unacademy और Chegg पर भी लोग घर बैठे शिक्षण कार्य करके अच्छी कमाई कर रहे हैं। कमाई इस बात पर निर्भर करती है कि व्यक्ति कितने अनुभव और कौशल के साथ काम कर रहा है। शुरुआती स्तर का वर्क फ्रॉम होम कर्मचारी प्रति माह 15,000 से 30,000 रुपये तक कमा सकता है। जबकि अनुभवी और विशेषज्ञ स्तर के लोग 80,000 रुपये से लेकर एक लाख रुपये या उससे अधिक भी कमा सकते हैं।

हिमाचल में बस पर मलबा गिरने से 18 यात्रियों की मौत

राष्ट्रपति मुर्मू-PM मोदी ने जताया दुख; मुआवजे का ऐलान

हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में बस पर मलबा गिरने से 18 यात्रियों की मौत हो चुकी है. घटनास्थल पर राहत-बचाव कार्य जारी है. इस घटना पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने दुख जताया है. पीएम मोदी ने कहा कि इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं प्रभावित लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं. प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से प्रभावित लोगों के लिए मुआवजे का ऐलान भी किया गया है.

पीएम मोदी ने X पर जताया दुख

प्रधानमंत्री कार्यालय ने मंगलवार (7 अक्टूबर, 2025) की शाम में इस दुर्घटना को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया. पोस्ट में पीएम मोदी ने कहा, 'हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में हुई दुर्घटना में जनहानि से दुखी हूं. इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं दुर्घटना से प्रभावित लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं. घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता है.'

उन्होंने आगे कहा, 'दुर्घटना में हताहत हुए प्रत्येक मृतक के परिजन को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (PMNRF) से 2-2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि और घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे.'

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हादसे को लेकर जताई संवेदना

इस भयावह हादसे को लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी संवेदना प्रकट की है. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, 'बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश में भूस्खलन के कारण हुई बस दुर्घटना में कई लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है. अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति मैं संवेदना व्यक्त करती हूं और घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं.'बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश में भूस्खलन के कारण हुई बस दुर्घटना में कई लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति मैं संवेदना व्यक्त करती हूँ और घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूँ।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दुर्घटना पर जताया शोक

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिलासपुर भूस्खलन को लेकर एक्स पर पोस्ट में कहा, 'हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में भूस्खलन के कारण हुए बस हादसे से मन अत्यंत दुखी है.

NDRF की टीमें घटना स्थल पर पहुंच चुकी हैं और बचाव कार्य में लगीं हैं. इस हादसे में जिन लोगों ने अपनों को खोया है, उनके प्रति संवेदनाएं व्यक्त करता हूं. साथ ही, घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं.'

हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में भूस्खलन के कारण हुए बस हादसे से मन अत्यंत दुखी है। NDRF की टीमें घटना स्थल पर पहुँच चुकी हैं और बचाव कार्य में लगीं हैं। इस हादसे में जिन लोगों ने अपनों को खोया है, उनके प्रति संवेदनाएँ व्यक्त करता हूँ। साथ ही, घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ने जताया दुख

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने इस दुखद बस दुर्घटना पर गहरा शोक और पीड़ा व्यक्त की है, जिसमें लगभग 18 लोगों की मौत हो चुकी है और कई अन्य घायल हुए हैं. उन्होंने कहा, 'बिलासपुर जिला के झंडूता विधानसभा क्षेत्र के बालूघाट (भल्लू पुल) के पास हुए भीषण भूस्खलन की खबर ने मन को भीतर तक झकझोर दिया है.'उन्होंने कहा, 'इस भारी भूस्खलन में एक प्राइवेट बस के चपेट में आने से 18 लोगों के निधन का दुःखद समाचार मिला है और कई

अन्य के मलबे में दबे होने की आशंका है. रेस्क्यू ऑपरेशन युद्ध स्तर पर जारी है. अधिकारियों को पूरी मशीनरी लगाने के निर्देश दिए गए हैं. मैं स्थानीय प्रशासन के संपर्क में हूं और पूरे रेस्क्यू ऑपरेशन की पल-पल की जानकारी ले रहा हूं. ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति दें और शोकाकुल परिवारों को संबल प्रदान करें. इस कठिन घड़ी में मैं सभी प्रभावित परिवारों के साथ हूं.'

हादसे में तीन बच्चों की बचाई गई जान

प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, तीन बच्चों को जीवित बचा लिया गया है और उनका इलाज बरठीन अस्पताल और एम्स बिलासपुर में चल रहा है. मुख्यमंत्री लगातार प्रशासन के संपर्क में हैं और उन्होंने सरकार की ओर से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है. अपने संदेश में मुख्यमंत्री सुक्खू ने इस हृदयविदारक दुर्घटना पर गहरा दुख और संवेदना व्यक्त की है.उन्होंने स्थानीय प्रशासन को निर्देश दिए कि घायलों, विशेष रूप से बच्चों, का सरकारी खर्चे पर तत्काल अस्पताल में उपचार सुनिश्चित किया जाए. अतिरिक्त उपायुक्त (ADC) बिलासपुर ओम कांत ठाकुर, पुलिस अधीक्षक संदीप धवल और स्थानीय एसडीएम राहत और बचाव कार्यों की निगरानी के लिए मौके पर मौजूद हैं.

जयपुर-अजमेर हाईवे पर बड़ा हादसा, LPG सिलेंडर से भरे ट्रक में लगी आग, दूर तक सुनाई दी धमाकों की गूंज

जयपुर अजमेर हाईवे पर मंगलवार रात बड़ा हादसा हो गया. यहां LPG सिलेंडर से भरे ट्रक में आग लगने के बाद कई धमाके हुए. मौजमाबाद इलाके के पास LPG सिलेंडर से भरे ट्रक में आग लगी. हादसे के बाद सिलेंडर से लदा ट्रक अचानक आग की लपटों में घिर गया ट्रक में लदे हुए सिलेंडरों में लगातार धमाके हो रहे, जिनकी गूंज दूर तक सुनाई दी. वहीं डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया. हादसे का कारण किसी अन्य वाहन से टक्कर के बाद ट्रक में भीषण आग लग गई जिसके बाद हादसे में कई लोगों के घायल होने की भी जानकारी सामने आ रही है घटना के बाद आग की लपटे आसमान में दूर से दिखाई दे रही है स्थानीय लोगों ने धमाके की आवाज सुनकर पुलिस व फायर ब्रिगेड को सूचना दी जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची है दर्जनों फायर ब्रिगेड भी मौके पर आग बुझाने का प्रयास कर रही है

तेज धमाको के साथ सिलेंडर फटने की आवाजों से आसपास के लोग दहशत में है. यपुर के अजमेर हाईवे पर स्थित मोजमाबाद के समीप यह हादसा हुआ है ट्रक में गैस के सिलेंडर भरे हुए थे किसी अन्य वाहन से टक्कर के बाद भीषण धमाके की आवाज के साथ आसमान में आग की लपटे दिखाई दी. स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी जिसके बाद दमकल की गाड़ियां मौके पर आग बुझाने का प्रयास कर रही है.सिी अजमेर जयपुर हाईवे पर 20 दिसंबर 2024 को गैस टैंकर में आग लगने से 19 लोगों की मौत हुई थी और करीब दो दर्जन से अधिक लोग घायल हुए थे उसे भीषण हादसे को जयपुर वास बुलाया भी नहीं पाए थे कि अब एक और नया हादसा सामने आया है हालांकि अब तक जान माल का कितना नुकसान हुआ है वह सामने नहीं आया लेकिन भीषण सड़क हादसे में ट्रक ड्राइवर कि जिंदा जलकर मौत हो गई. हालांकि कुछ गंभीर घायलों को स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस में अस्पताल पहुंचाया है.

बिहार SIR के बाद कितने वोटर्स को हटाया गया? सुप्रीम कोर्ट ने 9 अक्टूबर तक चुनाव आयोग से मांगी पूरी डिटेल

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को चुनाव आयोग से कहा कि बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान जिन मतदाताओं को बाहर किया गया, उनकी पूरी जानकारी 9 अक्टूबर तक उपलब्ध करवाई जाए. न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जोयमलय बागची की सुप्रीम कोर्ट की पीठ बिहार के निर्वाचन सूची SIR को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी. कोर्ट ने सुनवाई को 9 अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दिया है.

सुनवाई के दौरान क्या कहा चुनाव आयोग ने?

सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग ने कोर्ट को बताया कि अब तक किसी भी बाहर किए गए मतदाता ने शिकायत या अपील दर्ज नहीं कराई है. आयोग को निर्देश दिया गया कि वह 3.66 लाख ऐसे मतदाताओं की सूची उपलब्ध कराए जिन्हें हाल ही में तैयार की गई अंतिम मतदाता सूची से बाहर किया गया.

बाहर किए गए मतदाताओं की संख्या

30 सितंबर को चुनाव आयोग ने बिहार के लिए अंतिम मतदाता सूची जारी की. इसमें कुल 47 लाख नाम ऐसे थे जो SIR प्रक्रिया शुरू होने से पहले सूची में शामिल थे, लेकिन पुनरीक्षण के बाद इन्हें हटा दिया गया. इनमें से 3.66 लाख नाम अतिरिक्त जांच के बाद उन लोगों के पाए जाने पर हटाए

गए जिन्हें मतदान के लिए अयोग्य पाया गया.

बिहार की अंतिम मतदाता सूची में 47 लाख मतदाता कम

चुनाव आयोग के अनुसार, 30 सितंबर को जारी बिहार की अंतिम मतदाता सूची में कुल मतदाताओं की संख्या 7.42 करोड़ रह गई, जो SIR से पहले 7.89 करोड़ थी. यानी सूची में कुल 47 लाख मतदाता कम हुए हैं, लेकिन अगर इसे 1 अगस्त को जारी ड्राफ्ट सूची से तुलना करें, तो स्थिति अलग है. उस ड्राफ्ट में 65 लाख नाम हटाए गए थे, जिनमें मौत, स्थानांतरण या डुप्लीकेशन के मामले शामिल थे. अंतिम सूची में कुल 21.53 लाख नए मतदाता जोड़े गए और 3.66 लाख नाम हटा दिए गए. इसका मतलब है कि ड्राफ्ट सूची की तुलना में 17.87 लाख मतदाता बढ़ गए हैं.

सिहंस्थ 2028 के दौरान गुणवत्तापूर्ण सप्लाई के लिए उज्जैन जिले के 15 एक्स्ट्रा हाई टेंशन सब स्टेशनों में केपेसिटर बैंक संचालित- ऊर्जा मंत्री तोमर

उज्जैन,मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि सिहंस्थ 2028 के दौरान विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति करने के अपने लक्ष्य को आगे बढ़ते हुए मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने महाकाल नगरी समेत उज्जैन जिले में अपने 15 एक्स्ट्रा हाई टेंशन सब स्टेशनों में कैपेसिटर बैंक की स्थापना सुनिश्चित करते हुए एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने जानकारी कि उज्जैन जिलों में मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी अपने 17 एक्स्ट्रा हाई टेंशन सब स्टेशनों के माध्यम से विद्युत आपूर्ति करती है जिसमें 400 के व्ही के दो सब स्टेशनों,220 के व्ही के तीन एवं 132 के व्ही के 12 सब स्टेशन शामिल है इन 17 सब स्टेशनों में से कैपेसिटर बैंक की आवश्यकता वाले 15 सब स्टेशनों में कुल 36 कैपेसिटर बैंक स्थापित किए गए हैं जिनमें 35 कैपेसिटर बैंक 33 के व्ही वोल्टेज लेवल पर तथा एक कैपेसिटर बैंक 132 के व्ही वोल्टेज लेवल पर स्थापित है, जिनकी कुल क्षमता 447 एम व्ही ए आर की है।क्यों जरूरी है कैपेसिटर बैंकसबस्टेशनों से विद्युत आपूर्ति के दौरान अक्सर पावर ट्रांसफार्मर्स पर इंडक्टिव लोड बढ़ जाता है, जिससे वोल्टेज में गिरावट आती है और बिजली की गुणवत्ता प्रभावित होती है। कैपेसिटर बैंक अपने कैपेसिटिव लोड के माध्यम से इस प्रभाव को संतुलित करते हैं। इससे पावर फैक्टर में सुधार होता है और उपभोक्ताओं को मानक वोल्टेज पर विश्वसनीय एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होती है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक अविनाश जाजपुरा के द्वारा यश प्रिंटिंग प्रेस स्कीम नम्बर 36 ए कलेक्टर कार्यालय के सामने मुद्रित एवं कास्मो स्कूल के पास इन्दिरा नगर नीमच से प्रकाशित - सम्पर्क 9893796737 (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र नीमच रहेगा ।)